उपन्यास एवं कहानी

पवन कुमारी
हिन्दी विभाग
हंसराज महिला महविद्यालय
जालंधर

उपन्यास :

- उपन्यास शब्द उप = समीप तथा न्यास = थाती के योग से बना हैं जिसका अर्थ हुआ निकट रखी हुई वस्तु।

फ्रांसीसी बेकन : उपन्यास कल्पित इतिहास है ।

क्लास रीव : उपन्यास एक मनोरंजनपूर्ण गद्य महाकाव्य हैं ।

बेकर : उपन्यास वह रचना है जिसमें किसी कल्पिक गदय-कथा के दवारा मानव जीवन की व्याख्या की गई है ।

उपन्यास के तत्व :

- कथानक
- पात्र एवं चरित्र चित्रण
- संवाद या कथोपकथन
- देशकाल तथा वातावरण
- भाषा – शैली
- विचार और उद्येश्य

उपन्यास : वर्गीकरण

- घटनाप्रधान उपन्यास
- ऐतिहासिक उपन्यास
- चरित्रप्रधान उपन्यास
- सामाजिक उपन्यास
- मनौविज्ञानिक उपन्यास
- आँचलिक उपन्यास
- समस्यामूलक या विचारप्रधान उपन्यास
- आधुनिकता बोध के उपन्यास

उपन्यास : विकास

उपन्यास : प्रेमचंद पूर्व – इस काल में लिखे गए उपन्यासों के चार भेद है

- सामाजिक उपन्यास
- ऐतिहासिक उपन्यास
- घटनात्मक उपन्यास

घटनात्मक उपन्यास

- तिलस्मी ऐयारी – जैसे ...देवकीनन्दन खत्री का चंद्रकांता ,भूतनाथ ,हरेकृष्ण जौहर का कुसुमलता
- घटनात्मक उपन्यास – रामलाल वर्मा ,किशोरीलाल गोस्वामी ,रामप्रसाद लाल के जासूसी उपन्यास

- घटनात्मक :अद्भूत घटना प्रधान –
- अनुदित उपन्यास

उपन्यास : प्रेमचंद युग

- प्रेमचंद कृत उपन्यास – सेवासदन ,प्रेमाश्रय,रंगभूमि,कायाकल्प , निर्मला ,गबन ,कर्मभूमि और गोदान

- प्रेमचंद युग में जयशंकर प्रसाद कृत – कंकाल ,इरावती ,तितली
- शिवपुजन सहाय कृत – देहाती दुनिया

उपन्यास : प्रेमचंदोत्तर युग

- राजनीतिक –सामाजिक उपन्यास : प्रमुख उपन्यासकार – भगवतप्रसाद वजपेयी,प्रतापनारायण श्रीवास्तव ,सियाराम शरण गुप्त, गुरुदत्त उल्लेखनीय है
- आँचलिक उपन्यास : फणीश्वरनाथ रेणु कृत मैला आँचल ....उदयभानु कृत सागर लहरें और मनुष्य , देवेन्द्र सत्यार्थी कृत रथ के पहिए

- ऐतिहासिक उपन्यास : वृंदावनलाल वर्मा कृत झाँसी की रानी ,आदत ,रामगढ़ की रानी ,
- मनोविश्लेषणवादी उपन्यास : जेनेन्द्र कृत परख ,सुनीता ,त्याग पत्र कल्याणी

आधुनिकबोध के उपन्यास

- यौण विसंगतियो में आश्रय ढूंढने की प्रवृति
- मानवीय स्थितियों में मिसफिट व्यक्ति का चित्रण
- घुटन की नियति अथवा उसके विरुद्ध विद्रोह

कहानी

- एडगर एलिन पो – कहानी एक ऐसा आख्यान है जो इतना छोटा होता है कि एक ही बैठक में पढ़ा जा सके

- जी वेल्स – कहानी वह गद्य-कथा है जो बीस मिनट में पड़ी जा सके

- प्रेमचंद – गल्प (कहानी) ऐसी रचना है जिसमें जीवन के किसी एक अंग या किसी एक मनोभाव को प्रदर्शित करना ही लेखक का उदेश्य रहता है

कहानी एक तत्व

- कथानक
- पात्र एवं चरित्र – चित्रण
- संवाद
- वातावरण
- भाषा शैली
- उदेश्य

कहानी : वर्गीकरण

- घटनाप्रधान या कथानक – प्रधान कहानी
- चरित्र – प्रधान कहानी
- वातावरण – प्रधान कहानी
- भाव – प्रधान कहानी

विषय भेद

- एतिहासिक कहानी
- सामाजिक कहानी
- मनोवैज्ञानिक कहानी
- साहसिक कहानी
- रोमांसिक कहानी

शैली भेद

- ऐतिहासिक शैली
- आत्मकथात्मक शैली
- पत्रात्मक शैली
- डायरी शैली

हिन्दी कहानी : विकास यात्रा

- कहानी : पूर्व प्रेमचंद युग – जयशंकर प्रसाद कृत ग्राम ,रसिया – बालम....चंद्रधर शर्मा गुलेरी कि सुखमय जीवन

- कहानी : प्रेमचंद –प्रसाद युग – पंचपरमेश्वर, बड़े घर कि बेटी,दफ्तरी , इस्तीफा ,दीक्षा

- कहानी : प्रेमचंदोतर – युग : रोज़, सेब और देब , कोठरी कि बात , सांप ,

कहानी : स्वतंत्रोत्तर युग

- नई कहानी
- आँचलिक कहानी
- अकहानी
- सचेतन कहानी
- वादमुक्त कहानी
- समकालीन कहानी

- नई कहानी – (1950 से 1964-65)- राजेन्द्र यादव कि एक कटी हुई कहानी , मोहन राकेश कि मलवे का मालिक , अपरिचित ,एक और ज़िंदगी

- आँचलिक कहानी – इस दशक के आँचलिक कहानीकार ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तनों तथा ग्रामजनों कि परिवर्तनशील मानसिकता को अभिव्यक्ति देते है

- अकहानी – अकहानी का पूर्ण स्वर अनास्थावादी है अकहानीकार यह मानता है कि आज के व्यस्त जीवन में किसी को अन्य के मामले में न हस्तक्षेप का अवसर है और न ही औचित्य

- सचेतन कहानी – महीप सिंह कृत उलझन अथवा वतन के पैसे ,ममता कालिया कि पीली लड़की ,जगदीश चतुर्वेदी कृत बोनस

- वादमुक्त कहानी –(1961-90)- निरुपमा सेवती कृत निरावरण तथा अचला शर्मा कृत बर्दाश्त बाहर

- समकालीन कहानी – मुक्तिबोध , अमृतराय, गंगाप्रसाद विमल , ज्ञानरंजन , दूधनाथ सिंह, महीप सिंह

- एस प्रकार उपन्यास एवं कहानी हिनी साहित्य कि महत्वपूर्ण विधा है

धन्यवाद